

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा

सार्वभौमिक मानव मूल्य और समग्र शिक्षा-स्वास्थ्य, प्रसन्नता और सद्भावना के लिए
(नॉन-क्रेडिट पाठ्यक्रम)

लक्ष्य और उद्देश्य:- इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तिगत स्तर पर गुणात्मक आध्यात्मिक परिवर्तनों द्वारा सामाजिक परिवर्तनों को लाना है . यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में मानव मूल्यों के ग्रहण द्वारा व्यक्तित्व विकास के महत्व को रेखांकित करेगा . आत्म-चेतना और आत्म-जागरूकता और सह-अस्तित्व भावना के गुण विद्यार्थियों में उत्पन्न करना, इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य है.

पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में निम्नलिखित गुणों और प्रेरणाओं का समावेश होगा-

1. सार्वभौमिक मानव मूल्यों की प्रकृति को भारतीय और पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य में समझना .
2. मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में आत्म और व्यक्तित्व को जानना
3. लोकतान्त्रिक जीवन मूल्यों और जीवन पद्धति को समझना (भारतीय संविधान में सम्मिलित मूल्यों के संदर्भ में) .
4. सद्भाव ,स्वास्थ्य और प्रसन्नता के लिए योग महत्ता को समझना.
5. सद्भावना की अवधारणा को व्यक्तिगत, मानवीय, सामाजिक और वैश्विक सामंजस्य (ऋत) /सद्भावना के परिप्रेक्ष्य में समझना

पाठ्यक्रम का संप्रेषण :-पाठ्यक्रम का संप्रेषण करते समय स्वाध्याय पर विशेष बल दिया जाएगा, अध्यापक न्यूनतम हस्तक्षेप करेंगे . अध्यापक केवल एक प्रेरक एवं प्रोत्साहक के रूप में कार्य करेंगे ,जो इस पाठ्यक्रम को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में विभिन्न सिद्धांतों, अवधारणाओं को स्पष्ट करेंगे.

पाठ्यक्रम में मानव जीवन से सम्बद्ध अधोलिखित विषयों से संबंधित उदाहरण शामिल किए जाएंगे--

1. भारतीय संस्कृति और मानव मूल्य
2. नैतिक -आध्यात्मिक मूल्य
3. आत्म (स्व) और व्यक्तित्व (व्यष्टि) की पहचान
4. स्वतंत्रता, समानता और अनुशासन की अवधारणा समझना
5. सामाजिक न्याय
6. द्वंद्व और अपराधों की समझ और उनका प्रबंधन
7. व्यक्तिगत सद्भावना और सामाजिक सद्भावना
8. पारिस्थितिकी और प्रकृति अध्ययन की समाझ विकसित करना
9. पर्यावरण प्रदूषण के नैतिक आयाम
10. मानव जीवन में योग की प्रासंगिकता